

प्रेषक,

श्याम सिंह,
अनुसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, पर्यटन,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 21 जनवरी, 2008

विषय-वित्तीय वर्ष 2007-08 में पर्यटन विभाग हेतु प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से आयोजनागत तथा आयोजनेतर पक्ष में आवंटित धनराशि निम्न विवरणानुसार निदेशक पर्यटन के निवर्तन में रखे जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, कित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-1044/XXVII/2007 दिनांक 04 दिसम्बर, 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2007-08 में पर्यटन विभाग हेतु प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राप्त धनराशि आयोजनागत पक्ष में ₹0 11.13 करोड़ (रुपये ग्यारह करोड़ तेरह लाख मात्र) तथा आयोजनेतर पक्ष में ₹0 11.00 (रुपये ग्यारह लाख मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार निदेशक पर्यटन के निवर्तन पर व्यय हेतु रखे जाने की इस शर्त के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि धनराशि का आहरण एकमुश्त न करके यथा आवश्यकतानुसार किरात में ही किया जायेगा-

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र.सं.	मांगक मद	स्वीकृत की जा रही धनराशि	
		आयोजनागत	आयोजनेतर
1	लेखाशीर्षक 5452-पर्यटन पर पूंजीगत खर्च-80-सामान्य-104-सम्मान तथा प्रचार-04-राज्य सौकर-02-पर्यटन परिषद के लिए आवासीय/अवासीय भवनों का निर्माण-24-गृहस्त निर्माण कार्य	100.00	-
2	04-राज्य सौकर-49-पर्यटन विकास की नई योजनाएं-24 गृह निर्माण कार्य	800.00	-
3	लेखाशीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-आयोजनागत-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विकास परिषद-20-सहायक अनुदान/अश्र दान/राज सहायता	198.00	-
4	लेखाशीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-001-निर्देशन तथा प्रशासन-06-होटल मीनजमेट सोसायटी को अनुदान-20-सहायक अनुदान/अश्र दान/राज सहायता	15.00	-
5	001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विकास परिषद-43-केशन भत्ते आदि के लिये सहायक अनुदान	-	11.00
	योग-	1113.00	11.00

2-यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3-पर्यटन विकास की नई योजनाओं हेतु आवंटित धनराशि को व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल एवं अन्य वित्तीय नियमों का अनुपालन करते हुए शासन की पृथक स्वीकृति से की जायेगी।

4-स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है, मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरित मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

5-उपर्युक्त धनराशि एकमुश्त निवर्तन पर इस शर्त के अधीन है कि वार्षिक योजना 2007-08 में नियोजन विभाग द्वारा योजनावार/वर्गीकृत/आवंटित परिषद की सीमा में ही व्यय सुनिश्चित किया जायेगा। इसका दायित्व बजट नियंत्रक अधिकारी का होगा।

- 6-यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट नैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 7-उक्त धनराशि एक मुश्त स्वीकृत की जा रही है। धनराशि के सामेख योजनाओं पर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान होने के उपरान्त धनराशि व्यय की जायेगी।
- 8-वित्तीय वर्ष के अन्त में कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी शासन की उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 9-प्रत्येक योजना में निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर एक साइनेज स्थापित कर दिया जायेगा, जिसमें कार्य का पूर्ण विवरण उत्तराखण्ड पर्यटन के "लोगो" सहित इंगित किया जायेगा, जैसा कि उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा प्रत्येक निर्माण इकाई को इंगित किया जा चुका है।
- 10-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत साम्-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 11-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के आ0सा0प्र0रा0-534/XXVII(2)/2008 दिनांक 21 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी राहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(श्याम सिंह)
अनुसंधिव।

संख्या-87/VI/2008-2(17)2007 तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, भाजरा, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त, गढवाल/कुमाऊँ मण्डल।
- 4- श्री एल0एम0पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 5- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निजी सचिव मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- निजी सचिव मा0 पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- निजी सचिव मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- समस्त जिला पर्यटन विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड।
- 11- वित्त अनुभाग-2।
- 12- सार्ड फाइल।

सा. स.

(श्याम सिंह)
अनुसंधिव।